दैनिक न्याय साक्षी

अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्याससाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, गुरुवार 10 अप्रैल 2025 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-07, अंक- 188

अंतर्राष्ट्रीय

पाकिस्तान : 11,371 से अधिक अफगान शरणार्थी जबरन निर्वासित, कार्यवाई जारी

इस्लामाबाद । पाकिस्तान ने 11,371 अफगान शरणार्थियों को तोरखम सीमा के जरिए जबरन अफगानिस्तान वापस भेज दिया। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, मंगलवार को 3,669 से अधिक अफगान शरणार्थियों को सीमा पार भेजा गया। सरकार के शरणार्थियों को वापस भेजने के फैसले की वजह से बड़ी संख्या में अफगानी प्रभावित हुए हैं। अफगान शरणार्थी पाकिस्तान में दशकों से रह रहे हैं और इनमें ऐसे लोगों की संख्या भी शामिल है जिनका जन्म भी यहीं हुआ और वह कभी अफगानिस्तान नहीं गए। 31 मार्च को समय सीमा समाप्त होने के बाद, पूरे देश में अफगान शरणार्थियों पर कार्रवाई की जा रही है। पुलिस और जिला प्रशासन की टीमें अभियान चला रही हैं। कुछ निर्वासित लोगों ने कहा कि उन्हें काम करते समय पाकिस्तानी पुलिस ने गिरफ्तार किया और अफगानिस्तान भेज दिया जबकि उनका परिवार पीछे छूट गया। अफगान मीडिया आउटलेट टोलो न्यूज ने निर्वासित गुल मोहम्मद के हवाले से बताया, मैं फल बाजार में एक छोटा सा होटल व्यवसाय चलाता था। पुलिस ने मुझ पर छापा मारा, मुझे खैबर पख्तूनख्वा के हाजी कैंप में चार रातों तक हिरासत में रखा और अब मुझे तोरखम के रास्ते निर्वासित कर दिया है। देश के प्रमुख दैनिक 'द एक्सप्रेस ट्रिब्यून' के अनुसार, रावलपिंडी में अफगान दुकानदारों ने अपना सामान बेचने में लगे और अपनी दुकानें बंद कर रहे हैं। इनमें से कई गायब हो गए हैं। शहर के विभिन्न क्षेत्रों में कई अफगानियों की दुकानें या तो बंद हो गई हैं या बेच दी गई हैं। शहर और छावनी में कई प्रसिद्ध अफगान होटल अब चालू नहीं हैं।

दर्दनाक हादसा : नर्सिंग होम में लगी भीषण आग, 20 लोग जिंदा जले

चीन । उत्तरी चीन के एक नर्सिंग होम में आग लगने से 20 लोगों की मौत हो गई है। हालांकि, आग लगने के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है। एजेंसी ने स्थानीय अधिकारियों के हवाले से बताया कि 8 अप्रैल को स्थानीय समयानुसार रात 9 बजे हेबेई प्रांत के चेंगडे शहर में स्थित एक नर्सिंग होम में आग लग गई। शिन्हुआ ने बताया कि नर्सिंग होम में आग लगने के बाद सुरक्षित निकाले गए लोगों को आगे की निगरानी और उपचार के लिए पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। फिलहाल कितने लोग घायल हैं इसकी जानकारी सामने नहीं आई है। वहीं, आग के कारणों की जांच अभी चल रही है। स्थानीय अधिकारियों का कहना है कि वे पूरी स्थिति की जांच कर रहे हैं और इस दुर्घटना के कारणों का पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं।

यमन में अमेरिकी हवाई हमलों में 6 लोगों की मौत, 15 घायल

सना । हूती विद्रोहियों द्वारा संचालित अल-मसीरा टीवी और स्थानीय स्वास्थ्य अधिकारियों के मुताबिक, मंगलवार को यमन में कई अमेरिकी हवाई हमले हुए, जिसमें कम से कम छह लोग मारे गए और 15 अन्य घायल हो गए। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के मुताबिक, लाल सागर के बंदरगाह शहर होदेइदाह में छह लोगों की मौत हुई है और 13 घायल हुए हैं। हमला, अमीन मुकबिल इलाके के एक रिहायशी इलाके पर हुआ। वहीं, धमार प्रांत में दो अन्य लोग घायल हुए, जहां एक खेत पर हमला हुआ था। हूती टेलीविजन और स्थानीय निवासियों के अनुसार, पश्चिमी-मध्य प्रांत अमरान और मध्य प्रांत इब्ब के दूरसंचार बुनियादी ढांचे पर जबरदस्त बमबारी हुई। हूती टेलीविजन ने कहा कि नागरिक सुरक्षा दल लक्षित सुविधाओं में आग बुझाने के लिए काम कर रहे हैं। इससे पहले अमेरिका ने मंगलवार को हूती विद्रोहियों के ठिकानों के खिलाफ अपने सैन्य अभियान को तेज कर दिया। उन्होंने कुल 50 हवाई हमले किए। इन हमलों को लेकर अमेरिकी सेना ने अभी तक कोई टिप्पणी नहीं की है, लेकिन उसने पहले बयानों में कहा था कि वह तब तक प्रतिदिन हवाई हमले करना जारी रखेगा, जब तक कि हूती लाल सागर में वाणिज्यिक जहाजों और अमेरिकी युद्धपोतों पर हमला करना बंद नहीं कर देता। अमेरिका के लगातार हवाई हमलों का असर हूती समूह पर पड़ता नहीं दिख रहा है, जो इस क्षेत्र में अमेरिकी और इजरायल की शिप्स पर हमले जारी रखे हुए है। हूती विद्रोहियों का दावा है कि उनके हमले अमेरिका समर्थित इजरायल पर दबाव डालने के लिए हैं, ताकि वह गाजा पट्टी पर हवाई हमले बंद करे और वहां मानवीय सहायता पहुंचने दे।

भारत की डेटा सेंटर क्षमता 2027 तक 77 प्रतिशत बढ़कर 1.8 गीगावाट तक पहुंचने की राह पर

मुंबई । आरएनएस

भारत का डेटा सेंटर उद्योग मजबूत वृद्धि के लिए तैयार है, जिसकी क्षमता 2027 तक 77 प्रतिशत बढक़र 1.8 गीगावाट तक पहुंचने का अनुमान है। यह जानकारी बुधवार को आई एक लेटेस्ट रिपोर्ट में दी गई।

डेटा सेंटर उद्योग में यह मजबूत विस्तार 2024 में 1 गीगावाट के मील के पत्थर को पार करने के बाद हुआ है। उद्योग 2019 से 24 प्रतिशत सीएजीआर का मजबूत प्रदर्शन कर रहा है।

जेएलएल की रिपोर्ट के अनुसार, क्लाउड सर्विस प्रोवाइडर्स की मांग और तेजी से बढ़ते एआई क्षेत्र द्वारा संचालित यह वृद्धि भारत को ग्लोबल डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर के परिदृश्य में एक उभरती शक्ति के रूप में स्थापित करती है।

मुंबई भारत के डेटा सेंटर बाजार में एक लीडर के रूप में उभरा है, जो देश की कुल क्षमता का 52 प्रतिशत हिस्सा रखता है।

यह प्रभुत्व भारत के डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर में मुंबई की महत्वपूर्ण भूमिका और देश के डेटा हब के रूप में इसकी स्थिति को उजागर करता है।

इसी क्रम में मुंबई के बाद चेन्नई दूसरे स्थान पर है, जहां भारत की डेटा सेंटर क्षमता का 21 प्रतिशत हिस्सा है।

दिलचस्प बात यह है कि बेंगलुरु जिसे भारत की सिलिकॉन वैली कहा जाता है और हैदराबाद जैसे स्थापित टेक हब में देश की डेटा सेंटर क्षमता का 7-7 प्रतिशत हिस्सा है।

जेएलएल के एपीएसी लीड (डेटा सेंटर कोलोकेशन लीजिंग) रचित मोहन ने कहा, भारत एआई मिशन सभी क्षेत्रों में एआई अपनाने को बढ़ावा देगा, जो 1 ट्रिलियन डॉलर डिजिटल अर्थव्यवस्था लक्ष्य में योगदान देगा। भारत में डिजिटल और रियल एस्टेट इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए 5 बिलियन डॉलर के निवेश के साथ 785 मेगावाट (आईटी लोड) की नई डेटा सेंटर सप्लाई जोडऩे की उम्मीद है।

मोहन ने कहा, भविष्य की मांग वृद्धि पर अमेरिकी प्रसार नीति की प्रतिकूल परिस्थितियों का असर पडऩे की उम्मीद है, जो एडवांस टेक्नोलॉजी के ट्रांसफर को प्रतिबंधित करती है।

बीएफएसआई (बैंकिंग, फाइनेंशियल सर्विस और इंश्योरेंस) और टेक्नोलॉजी सेक्टर ऑक्यूपेंसी में क्रमश: 18 प्रतिशत और 12 प्रतिशत का योगदान देते हैं।

भारतीय डेटा सेंटर उद्योग ने 2024 की दूसरी छमाही (जुलाई-दिसंबर) में शानदार वृद्धि दर्ज की। सप्लाई में सालाना आधार पर 51 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जो 114 मेगावाट तक पहुंच गई।

जेएलएल के मुख्य अर्थशास्त्री और अनुसंधान एवं आरईआईएस, भारत प्रमुख सामंतक दास ने कहा, भारतीय डेटा सेंटर उद्योग तीव्र वृद्धि के लिए तैयार है। यह तेजी तकनीकी प्रगति और सहायक सरकारी नीतियों की वजह से देखी जाएगी।

डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन एक्ट और इसके साथ आने वाले नियम डेटा सुरक्षा परिदृश्य को बदलने के लिए तैयार हैं।

जयपुर सीरियल ब्लास्ट केस में 17 साल बाद मिला इंसाफ, 4 दोषियों को आजीवन कारावास; 71 लोगों की गई थी जान

जयपुर । आरएनएस

राजस्थान की राजधानी जयपुर में 17 साल पहले हुए सीरियल बम धमाकों के दौरान जिंदा मिले बम के मामले में राजस्थान हाई कोर्ट ने मंगलवार को चार आतंकियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। यह मामला जयपुर के चांदपोल इलाके में रामचंद्र मंदिर के पास मिले एक जिंदा बम से जुड़ा है, जो 13 मई 2008 को हुए सीरियल बम विस्फोटों के बाद बरामद किया गया था।

हाई कोर्ट ने चारों आरोपियों शाहबाज हुसैन, मोहम्मद सरवर आजमी, मोहम्मद सैफ और मोहम्मद सफीउर्रहमान को गैरकानूनी गतिविधि रोकथाम अधिनियम (यूएपीए) की धारा 13 (गैरकानूनी गतिविधियों में शामिल होना) और धारा 18 (आतंकी साजिश) के तहत दोषी ठहराते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई।

चार दिन पहले, गत 4 अप्रैल को सीरियल ब्लास्ट मामले की सुनवाई कर रही विशेष अदालत ने इन चारों आरोपियों को दोषी करार दिया था। मंगलवार को सजा पर बहस के बाद हाई कोर्ट ने उन्हें आजीवन कारावास की सजा सुनाई। सजा पर बहस के दौरान सरकारी वकील और विशेष लोक अभियोजक (पीपी) सागर ने कहा, आरोपियों ने समाज में भय फैलाने की नीयत से गंभीर अपराध किया है। इन पर कोई रहम नहीं किया जाना चाहिए।

करीब 17 साल पहले जयपुर में हुए सीरियल बम धमाकों के बाद चांदपोल बाजार में हनुमान मंदिर के बाहर एक जिंदा बम बरामद किया गया था। यह जिंदा बम 13 मई 2008 को हुए उन सीरियल विस्फोटों का हिस्सा था, जिसमें जयपुर के विभिन्न इलाकों में हुए धमाकों ने 71 लोगों की जान ले ली थी और सैकड़ों को घायल कर दिया था। चांदपोल बाजार में मिला यह बम फटने से पहले ही निष्क्रिय कर दिया गया था।

13वीं बार जेल से बाहर आया राम रहीम, रिसीव करने पहुंची हनीप्रीत

रोहतक । आरएनएस

हरियाणा सरकार ने एक बार फिर डेरा सच्चा सौदा प्रमुख गुरमीत राम रहीम सिंह पर मेहरबानी दिखाते हुए उसे 21 दिनों की फरलो प्रदान की है। बलात्कार और हत्या के मामले में रोहतक की सुनारिया जेल में सजा काट रहे राम रहीम को आज सुबह रिहा कर दिया गया।

सूत्रों के अनुसार, राम रहीम आज सुबह करीब 6 बजकर 40 मिनट पर जेल से बाहर आया। उसे लेने के लिए हनीप्रीत खुद पहुंची थी। कड़ी पुलिस सुरक्षा के बीच राम रहीम को सिरसा स्थित डेरा सच्चा सौदा मुख्यालय ले जाया गया है, जहां वह अपनी फरलो की अवधि बिताएगा।

बताया जा रहा है कि राम रहीम ने 29 अप्रैल को डेरा के स्थापना दिवस के मद्देनजर फरलो के लिए आवेदन दिया था। इस अवसर पर डेरे में एक बड़े आयोजन की योजना है, जिसमें राम रहीम शामिल होना चाहता था। हरियाणा सरकार ने उसके आवेदन को स्वीकार करते हुए 21 दिन की यह छुट्टी मंजूर की है।

सिरसा पहुंचने पर राम रहीम ने एक वीडियो संदेश भी जारी किया है। इसमें उसने अपने अनुयायियों से आग्रह किया है कि वे शांति बनाए रखें और उसके फरलो प्रवास के दौरान डेरा आने से बचें।

गौरतलब है कि गुरमीत राम रहीम सिंह को अगस्त 2017 में पंचकूला की विशेष सीबीआई अदालत ने दो साध्वियों के साथ बलात्कार के मामले में दोषी ठहराया था। बाद में उसे पत्रकार रामचंद्र छत्रपति की हत्या के मामले में भी सजा सुनाई गई थी। तब से वह रोहतक की सुनारिया जेल में बंद है। उसे पहले भी कई बार पैरोल और फरलो मिल चुकी है।

फतेहपुर तिहरा हत्याकांड : दो बदमाशों को मुठभेड़ में लगी गोली, अब तक चार गिरफ्तार

फतेहपुर । आरएनएस

उत्तर प्रदेश के फतेहपुर में तिहरे हत्याकांड में शामिल दो आरोपियों को पुलिस ने आज मुठभेड़ के बाद पकड़ लिया है। इस मामले अभी तक चार लोग गिरफ्तार किए गए हैं। इस मामले में मंगलवार से पुलिस लगातार अभियुक्तों के खिलाफ अभियान चलाकर उनकी तलाश में जुटी थी। फतेहपुर के हथगाम थाना क्षेत्र के अखरी गांव में चुनावी रंजिश में प्रधान रामदुलारी के पुत्रों विनोद सिंह उर्फ पप्पू, अनूप सिंह उर्फ पिंकू और पौत्र अभय प्रताप की मंगलवार को गोली मारकर हत्या कर दी गई थी।

हत्याकांड में फरार आरोपियों की तलाश में जुटी इंटेलिजेंस विंग टीम, थाना खागा पुलिस टीम व थाना औंग पुलिस की संयुक्त टीम लगातार आरोपियों की तलाश में जुटी थी। फतेहपुर के पुलिस अधीक्षक धवल जायसवाल ने बताया कि थाना हथगाम में पंजीकृत मुकदमे में पुलिस की टीमें लगातार दबिश दे रही थीं।

बैरियर लगाकर लगातार चेकिंग की जा रही थी। थाना खागा में चेकिंग के दौरान एक गाड़ी में कुछ अभियुक्त आ रहे थे, उन्हें रोकने का प्रयास किया गया, उन्होंने पुलिस पर फायरिंग कर दी। आत्मरक्षा के लिए पुलिस ने जवाबी फायरिंग की, जिसमें दो बदमाशों को गोली लगी है। इनके पास से अवैध तमंचा और कारतूस बरामद हुए हैं।

इनके पास एक गाड़ी भी बरामद हुई है। घायलों को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है। थाना हथगाम में जो हत्या का मुकदमा पंजीकृत हुआ है, उसमें चार गिरफ्तारी हो चुकी है। सभी पक्षों की जांच करके अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है।

पुलिस ने बताया कि चेकिंग के दौरान एक ब्लैक स्कॉर्पियो गाड़ी प्रेमनगर से बुधवन की तरफ से आ रही थी। पुलिस टीम ने कार रोकने का इशारा किया, तो वापस मुडक़र भागने का प्रयास करने लगे। पुलिस के घेराबंदी करने पर फायर करने लगे।

पुलिस की जवाबी फायरिंग में पूर्व प्रधान मुन्नू सिंह का पुत्र पीयूष सिंह के दाहिने पैर में गोली लगने से घायल हो गया। दूसरा व्यक्ति सज्जन सिंह के बायें पैर में गोली लगने से घायल हो गया। दोनों को पुलिस हिरासत में लेकर इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है।

ज्ञात हो कि उत्तर प्रदेश के फतेहपुर में मंगलवार को तिहरे हत्याकांड से सनसनी फैल गई। हथगाम थानाक्षेत्र के तहिरापुर चौराहे के पास बाइक सवार किसान नेता पप्पू सिंह, अभय सिंह और रिंकू सिंह की ट्रैक्टर सवार हमलावरों ने गोलियों से भूनकर हत्या कर दी।

80 से अधिक फर्जी वेबसाइटों से देशभर में करोड़ों की ठगी

जयपुर । आरएनएस

राजस्थान के डूंगरपुर साइबर पुलिस ने एक बड़े ऑनलाइन फ्रॉड रैकेट का पर्दाफाश करते हुए झारखंड के एक बीटेक छात्र को गिरफ्तार किया है। आरोपी पर 80 से ज्यादा सरकारी विभागों और नामी कंपनियों की फर्जी वेबसाइट बनाकर लोगों को फ्रेंचाइजी व अन्य सरकारी योजनाओं का झांसा देकर करोड़ों रुपये की ठगी करने का आरोप है।

पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार युवक की पहचान झारखंड के गोंडा जिले निवासी रितु आनंद के रूप में हुई है। चौंकाने वाली बात यह है कि रितु छत्तीसगढ़ के भिलाई स्थित एक निजी कॉलेज में बीटेक तृतीय वर्ष का छात्र है।

डूंगरपुर साइबर थाना अधिकारी गिरधारीलाल ने बताया कि रितु आनंद बेहद शातिर तरीके से इस फर्जीवाड़े को अंजाम देता था। उसने सरकारी विभागों एवं बीएसएनएल, टाटा जूडियो जैसी कई प्रतिष्ठित कंपनियों की हूबहू मिलती-जुलती नकली वेबसाइटें बना रखी थीं। इन फर्जी वेबसाइटों के जरिए वह लोगों को लुभावने ऑफर देता था, जैसे, बीएसएनएल का टावर घरों, दुकानों या खाली जमीन पर लगवाना। सीएनजी पंप आवंटित करवाना। जन आवास योजना का लाभ दिलवाना। प्रधानमंत्री मुद्रा लोन पास करवाना। टाटा जूडियो समेत कई निजी कंपनियों की फ्रेंचाइजी दिलवाना। इन झूठे वादों के नाम पर वह लोगों से रजिस्ट्रेशन फीस या अन्य शुल्कों के बहाने मोटी रकम ऐंठ लेता था।

इस हाई-टेक ठगी का खुलासा तब हुआ जब डूंगरपुर निवासी प्रशांत चौबीसा ने पिछले वर्ष 18 नवंबर को साइबर थाने में एक रिपोर्ट दर्ज कराई। चौबीसा ने बताया कि उन्होंने फेसबुक पर टाटा जूडियो कंपनी की फ्रेंचाइजी का विज्ञापन देखा था। विज्ञापन में दिए गए मोबाइल नंबर और ईमेल पर संपर्क करने पर रितु आनंद ने खुद को कंपनी का अधिकारी बताया और फ्रेंचाइजी दिलाने के नाम पर उनसे किश्तों में कुल 24 लाख 24 हजार 500 रुपये ठग लिए।

चौबीसा की शिकायत पर पुलिस ने तकनीकी जांच शुरू की तो सारे तार रितु आनंद से जुड़े। पुलिस ने पाया कि आनंद फेसबुक, इंस्टाग्राम सहित कई सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर अपनी फर्जी वेबसाइटों का प्रचार कर लोगों को फंसाता था। लोकेशन ट्रेस कर पुलिस टीम ने पिछले दिनों रितु आनंद को झारखंड से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस टीम रविवार (6 अप्रैल) को आरोपी को लेकर डूंगरपुर पहुंची है।

थाना अधिकारी गिरधारीलाल ने बताया कि प्रारंभिक पूछताछ में रितु आनंद ने देशभर में कई लोगों के साथ इसी तरह करोड़ों रुपये की ठगी करने की बात स्वीकार की है। पुलिस अब आरोपी से विस्तृत पूछताछ कर रही है ताकि ठगी के पूरे नेटवर्क और कुल रकम का पता लगाया जा सके।

केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी की नातिन की हत्या, पति ने सीने में मारी गोली

गया । आरएनएस

बिहार में गया जिले के अतरी थाना क्षेत्र के टेंटुआ गांव के समीप एक पति ने अपनी पत्नी की गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस सूत्रों ने बुधवार को यहां बताया कि टेंटुआ गांव के समीप एक पति ने अपनी पत्नी की गोली मारकर हत्या कर दी है। हत्या करने के बाद आरोपी पति फरार हो गया। शव को पोस्टमार्टम के लिए अनुग्रह नारायण मगध मेडिकल अस्पताल भेज दिया गया है। घटनास्थल से पुलिस ने एक पिस्टल भी बरामद किया है। मृतक महिला केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी की दूर की नातिन बताई जा रही है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, पति-पत्नी के बीच कई दिनों से घरेलू विवाद चल रहा था और आज आरोपी पति रमेश कुमार पटना से घर लौटा था। आरोपी पति ट्रक चालक है। घर लौटते ही अपनी पत्नी को घर में बंद कर दिया और गोली मार दिया, जिसे घटना स्थल पर ही पत्नी सुषमा देवी की मौत हो गई। मृतक महिला विकास मित्र में काम करती थी। जानकारी के अनुसार, पति को अपनी पत्नी पर किसी और के साथ प्रेम प्रसंग चलने का शक था, इसी को लेकर वह गुस्से में था। गुस्से में आने के बाद ही कमरे में बंद कर अपनी पत्नी को गोली मार दी। हालांकि, पुलिस ने अभी घटना का कारण स्पष्ट नहीं किया है। पुलिस की छानबीन चल रही है। इस बीच मृतक के बहन पूनम कुमारी ने बताया कि वह पटना से बस से उतरा था और घर गया जहां पत्नी के साथ झगड़ा हो गया और उसके बाद पति ने गोली मार दी।

मोदी कैबिनेट ने लिए बड़े फैसले, रेल लाइन प्रोजेक्ट, जीरकपुर बाईपास समेत कई परियोजनाओं को दी मंजूरी

नई दिल्ली । आरएनएस

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में तीन महत्वपूर्ण परियोजनाओं को मंजूरी दी गई। इनमें जीरकपुर बाईपास निर्माण, तिरुपति-पाकला-कटपडी सिंगल रेलवे लाइन का दोहरीकरण और कृषि सिंचाई योजना के तहत जल प्रबंधन का आधुनिकीकरण शामिल हैं। इन परियोजनाओं का उद्देश्य राज्य की यातायात सुविधाओं को सुधारना, जल संसाधनों का बेहतर उपयोग करना और आर्थिक विकास को बढ़ावा देना है।

कैबिनेट ने पंजाब और हरियाणा में स्थित जीरकपुर बाईपास के निर्माण को मंजूरी दी। यह बाईपास छह लेन का होगा और इसकी कुल लंबाई 19.2 किलोमीटर होगी। यह परियोजना प्रधानमंत्री गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान के तहत एकीकृत परिवहन इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण है। बाईपास एनएच-7 (जीरकपुर-पटियाला) के जंक्शन से शुरू होकर एनएच-5 (जिरकपुर-परवाणू) के जंक्शन तक जाएगा। इसके निर्माण से जीरकपुर और पंचकूला के अत्यधिक शहरीकृत और भीड़-भाड़ वाले इलाकों से बचा जा सकेगा। यह परियोजना पटियाला, दिल्ली, मोहाली एरोसिटी से आने वाले यातायात को डाइवर्ट करके हिमाचल प्रदेश के लिए सीधी कनेक्टिविटी प्रदान करेगी, जिससे इन क्षेत्रों में यातायात की भीड़-भाड़ कम होगी। इस परियोजना की कुल लागत 1,878.31 करोड़ रुपये निर्धारित की गई है। इसका उद्देश्य यात्रा समय को कम करना और मुख्य शहरी मार्गों पर यातायात के निर्बाध संचालन को सुनिश्चित करना है।

इसके अलावा कैबिनेट ने आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु के बीच तिरुपति-पाकला-कटपडी सिंगल रेलवे लाइन के दोहरीकरण को भी मंजूरी दी। इस परियोजना पर 1,332 करोड़ रुपये खर्च होगा और इसका उद्देश्य रेलवे की लाइन क्षमता को बढ़ाकर ट्रेनों की गति और सेवा को सुधारना है। यह दोहरीकरण परियोजना भारतीय रेलवे के सबसे व्यस्त खंडों में से एक में आवश्यक बुनियादी ढांचे के विकास को सुनिश्चित करेगा, जिससे यात्री और माल परिवहन में सुधार होगा। इस परियोजना के पूरा होने से रेलवे की कार्यक्षमता में वृद्धि होगी और भारतीय रेलवे की सेवा विश्वसनीयता में सुधार होगा, जिससे स्थानीय लोगों को रोजगार और स्वरोजगार के नए अवसर मिलेंगे।

तीसरी महत्वपूर्ण परियोजना प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के तहत जल प्रबंधन का आधुनिकीकरण है। इस योजना को 2025-2026 की अवधि के लिए मंजूरी दी गई है, और इसकी प्रारंभिक कुल लागत 1,600 करोड़ रुपये है। इस परियोजना का उद्देश्य मौजूदा सिंचाई नेटवर्क का आधुनिकीकरण करना और किसानों को सूक्ष्म सिंचाई सुविधाएं प्रदान करना है। जल प्रबंधन के लिए एससीएडीए और इंटरनेट ऑफ़ थिंग्स तकनीक का उपयोग किया जाएगा, जिससे जल उपयोग की दक्षता में सुधार होगा। इस योजना से कृषि उत्पादन और उत्पादकता में वृद्धि होगी, जिससे किसानों की आय में बढ़ोतरी होगी और उन्हें जल संसाधनों का बेहतर उपयोग करने में मदद मिलेगी। इन परियोजनाओं के माध्यम से सरकार की प्राथमिकता देश में बुनियादी ढांचे का विकास करना, जल संसाधनों का बेहतर उपयोग करना और आर्थिक विकास को गति देना है।